हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 4 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नगर के वरिष्ठ नागरिक सालिगग्राम अग्रवाल का निधन

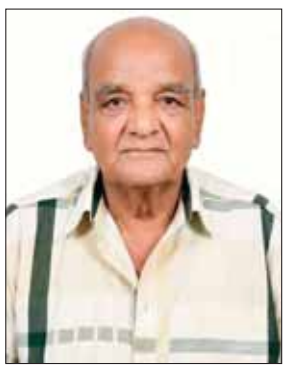

मण्डला। नगर के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक श्री सालिग ग्राम अग्रवाल का 03 जून को निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई। श्री अग्रवाल अपने सरल स्वभाव, सामाजिक व्यवहार एवं मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से समाज और परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। परिवार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उनकी अंतिम यात्रा 04 जून को प्रातः 10 बजे उनके निज निवास श्रीराम वार्ड से खैरी मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शोक संतप्त परिवार में उनके पुत्र रूपेश अग्रवाल एवं अखिलेश ₹बिल्लू₹ अग्रवाल सहित समस्त परिजन शामिल हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

सूखते तालाब से बारहमासी जलस्त्रोत तक का प्रेरक सफर

एक ट्यूबवेल ने बदली गाँव की तस्वीर

*** सकवाह कला ने रचा जल संरक्षण का नया इतिहास।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जहाँ कभी गर्मियों में सूखे तालाब और पानी की किल्लत ग्रामीणों की सबसे बड़ी चिंता हुआ करती थी, वहीं आज ग्राम सकवाह कला पूरे जिले के लिए जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभरा है। एक मछुआ सहकारी समिति की दूरदर्शिता, मेहनत और सामूहिक संकल्प ने न केवल एक मौसमी तालाब को बारहमासी जलस्त्रोत में बदल दिया, बल्कि पूरे गाँव के जीवन में नई खुशहाली का संचार कर दिया।

विकासखंड नैनपुर के ग्राम सकवाह कला में स्थित 3.40 हेक्टेयर का पंचायत तालाब वर्षों तक केवल बारिश के पानी पर निर्भर था। हर साल मार्च आते-आते तालाब सूख जाता था, जिससे मत्स्य पालन, पशुपालन और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतें प्रभावित होती थीं। पानी की कमी गाँव के विकास में सबसे बड़ी बाधा बन चुकी थी।

वर्ष 2015 में गठित कबीर चौक मछुआ सहकारी समिति मर्यादित ने इस समस्या को चुनौती के रूप में स्वीकार किया। 45 सदस्यों वाली समिति ने ग्राम पंचायत से तालाब को मत्स्य पालन के लिए पट्टे पर लिया और एक संकल्प किया, "मछली भी पालेंगे, पानी भी बचाएंगे।"

समिति ने किसान क्रेडिट कार्ड ऋण और स्वयं के अंशदान से लगभग 1.40 लाख रुपये की लागत से तालाब किनारे 250 फीट गहरा ट्यूबवेल एवं 3 एचपी मोटर स्थापित की। गर्मियों में जब तालाब का जलस्तर कम होने लगता है, तब ट्यूबवेल से पानी डालकर तालाब को जीवित रखा जाता है।

इस छोटे से नवाचार ने बड़ा परिवर्तन ला दिया। तालाब की जल भंडारण क्षमता में लगभग 40 प्रतिशत वृद्धि हुई, भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिला और तालाब पूरे वर्ष पानी से भरा रहने लगा। परिणामस्वरूप मत्स्य उत्पादन में भी करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे समिति सदस्यों की आय बढ़ी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई।

आज यह तालाब केवल मछली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि ग्रामीणों के लिए वर्षभर पानी का भरोसेमंद स्त्रोत बन चुका है। निस्तार, कपड़े धोने, स्नान और पशुओं की प्यास बुझाने जैसी जरूरतें अब बिना किसी परेशानी के पूरी हो रही हैं।

समिति के अध्यक्ष नारायण झारिया गर्व से कहते हैं कि हमने ट्यूबवेल अपने संसाधनों से लगवाया, क्योंकि पानी रहेगा तभी मछली रहेगी और तभी गाँव आगे बढ़ेगा। आज यह तालाब हमें कमाई भी दे रहा है और जीवन भी।

एक सफलता से मिली दूसरी प्रेरणा

पहले तालाब की सफलता ने समिति का आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद सदस्यों ने गाँव के दूसरे पंचायत तालाब को भी पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया। लगभग 0.21 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाला यह तालाब वर्षों से उथला होने के कारण केवल बरसात के चार महीने ही पानी रोक पाता था।

जनवरी 2026 में समिति ने बिना किसी सरकारी सहायता के अपने संसाधनों और सदस्यों के सहयोग से लगभग 1.30 लाख रुपये खर्च कर तालाब का गहरीकरण कराया। इस कार्य से तालाब की जल धारण क्षमता बढ़ी और गाँव में जल सुरक्षा को नई मजबूती मिली।

समिति के सचिव सरवन कुमार झारिया कहते हैं कि सरकार से मदद लेने से पहले हमने खुद करके दिखाया। तालाब गहरा हुआ तो गाँव की सोच भी गहरी हो गई। अब पानी के लिए संघर्ष नहीं, बल्कि पानी बचाने के लिए एकजुटता दिखाई दे रही है।

पूरे जिले के लिए बना प्रेरणा का मॉडल

सकवाह कला की यह कहानी बताती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद सामुदायिक इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और सहभागिता से बड़े बदलाव संभव हैं। यहाँ तालाबों का पुनर्जीवन केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, पर्यावरण संवर्धन और आजीविका सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है।

आज सकवाह कला का मॉडल जिले के अन्य गाँवों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहा है। यह संदेश दे रहा है कि यदि समाज स्वयं आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठाए, तो पानी की हर बूंद भविष्य की समृद्धि का आधार बन सकती है।

बाहरी व्यक्ति कर रहा आदिवासियों को परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

देवास जिले का निवासी जगदीश धनगर निवास थानांतर्गत भरद्वारा ग्राम की आदिवासी महिला से शादी कर गांव में आतंक फैला रहा है व शासकीय भूमि में नल कूप का खनन करवाकर पानी का बिक्रय कर रहा है, वहीं ग्रामीण पानी की समस्या से जूझ रहे हैं।

गोंगपा के ब्लॉक अध्यक्ष के साथ दर्जनों ग्रामीणों ने निवास एस डीओपी श्री बालरे को लिखित शिकायत देकर उक्त व्यक्ति पर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है,

शिकायत पत्र में ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुये उल्लेख किया है कि उक्त व्यक्ति एक आदिवासी महिला से शादी कर गांव में दो वर्षों से रह रहा है, इस दौरान इसने अपनी पत्नी के नाम से 7 एकड़ जमीन भी खरीदा है वहीं शासकीय नाला भूमि पर बिना शासन व पंचायत की अनुमति के बोर खनन व कुँवा खुदवाकर पानी बेच रहा है। जबकी ग्राम वासी व इनके गोवंशों को पानी के लाले पड़े हैं।

ग्रामीणों द्वारा इस बात की आपत्ति जताने पर उन्हें जान से मारने और इनके ऊपर बुल्डोजर चलवा देने की धमकी दे रहा है।

इतना ही नहीं आदिवासियों को जाति सूचक गाली देते हुये अभद्रता कर गुड़वा आदि बोलकर जान से मारकर भाग जाने की गंभीर धमकी भी दे रहा है, इन्हीं सब बातों से नाराज ग्रामवासीयों द्वारा निवास एसडीओ पुलिस को शिकायत कर त्वरित कर्रवाई की मांग की है अब देखना यह है कि पुलिस कब तक और क्या कर्रवाई करती है।

उक्त शिकायत के दौरान गोंगपा ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम कुम्हरे, मदन सिंह कुलस्ते प्रदेश प्रवक्ता गोंगपा, उदय सिंह चौधरी समाजसेवी, केवल उइके ब्लॉक उपाध्यक्ष गोंगपा, केहर सिंह कुड़ापे, नोनी लाल ,कुंवर लाल,कमली बाई, मनोहर सिंह मरावी,चुरामन मरावी आदि उपस्थित थे।

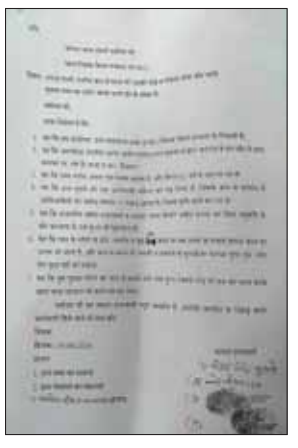

5 जून तक शत-प्रतिशत छात्र नामांकन दर्ज करने के निर्देश

मण्डला। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी बरकड़े ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा जिले के सभी संकुल प्राचार्यों एवं शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुखों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों का नामांकन शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशानुसार सभी विद्यालयों को विद्यार्थियों के नामांकन की प्रविष्टि ''एजुकेशन पोर्टल 3.0'' पर अनिवार्य रूप से 5 जून तक दर्ज करनी होगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि निर्धारित समय-सीमा में नामांकन संबंधी कार्य पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि जिले में शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। यदि निर्धारित अवधि में नामांकन प्रविष्टि का कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारी एवं संस्था प्रमुख के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। जिला शिक्षा विभाग ने सभी विद्यालयों से निर्देशों का गंभीरता से पालन करने की अपील की है।

लाखों की लागत से लगी लाइट बनी शोपीस

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

पड़रिया उर्फ नारायणगंज में लाखों की लागत में लगी लाइट बस स्टैंड में विगत दो दिनों से बंद पड़ी है चारों तरफ अंधेरा छाया हुआ है लेकिन पंचायत द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे लोगों में चर्चा का विषय है अभी कुछ ही महीना पहले ही पड़रिया उर्फ नारायणगंज के बस स्टैंड में लाइट लगी गई थी जिसमें लाइट के खंभे में बड़े ही सुंदर तरीके से बोर्ड लगा दिया गया है जिसमें सरपंच एवं अध्यक्ष का नाम चिन्हित किया गया है परंतु कुछ ही दोनों में लाइट बंद पड़ी है बस स्टैंड जो की चारों तरफ से आना जाना लोगों का 24 घंटे चलता रहता है और शाम होती ही शराबियों का आतंक छा जाता है चाहे जहां खड़े होकर शराब पी जाती है जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है यात्री प्रतीक्षालय में मैं भी लाइट बंद पड़ी है परंतु जवाबदारी लोगों का मौन होना यह साबित करता है की शासन के पैसों का किस तरह है गलत इस्तेमाल कर लाखों का चुना पंचायत लगा रही है चारों तरफ अंधेरा छाया हुआ है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भारी वाहन ने बाइक सवारों को रौंदा, 3 की मौत, बिजली खंभा तोड़ते हुए भागा ड्राइवर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। पिंडरई रोड पर नादिया के पास अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार युवकों को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में उमेश सिंगौर (42) पिता चिरौंजी लाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया, भुवन सिंगौर (36) पिता मनीलाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया और मुन्ना भांवरें (50) पिता मंगल भांवरें निवासी पेटेगांव के रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार, जामुन तिराहे के पास तेज रफ्तार भारी वाहन ने बाइक को टक्कर मारी। टक्कर के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि भागते समय वाहन सड़क किनारे लगे एक बिजली के खंभे को भी तोड़ता हुआ निकल गया।

सूचना मिलने पर महाराजपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है।

महाराजपुर थाना प्रभारी क्रांति कुमार ब्रम्हे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी भारी वाहन की टक्कर मारने की बात सामने आई है। पुलिस फरार वाहन की तलाश कर रही है और मामले की जांच जारी है।

आयोजन | **अस्मिता लीग प्रतियोगिता एवं विश्व साइकिल दिवस का सफल आयोजन।**

स्वस्थ्य जीवन शैली के लिये साइकिलिंग अनिवार्य

*** मण्डला साइकिल क्लब ने की सहभागिता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश एमेच्योर साइक्लिंग एसोसिएशन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मंडला के संयुक्त तत्वावधान में अस्मिता लीग साइक्लिंग प्रतियोगिता एवं विश्व साइकिल दिवस का भव्य आयोजन 3 जून 2026 को प्रातः 7:00 बजे पुलिस लाइन, मंडला में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीणा, सहायक कलेक्टर शैलेंद्र चौधरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने खिलाड़ियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि साइक्लिंग से बेहतर व्यायाम कुछ नही हैं। यदि व्यक्ति अपने शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना चाहता है तथा हृदय एवं मस्तिष्क को स्वस्थ रखना चाहता है, तो उसे नियमित रूप से साइकिल चलाने की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने सभी युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम अस्मिता लीग साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 80 महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणाम निम्नानुसार रहे—

अंडर-17 आयु वर्ग प्रथम स्थान कु. पूजा मरावी, द्वितीय स्थान – कु. गरिमा उइके, तृतीय स्थान – कु. दिव्यश्री वर्मन। अंडर-19 आयु वर्ग प्रथम स्थान – कु. अमिता यादव, द्वितीय स्थान – कु. विनीता उइके,

तृतीय स्थान – कु. रेवांशी विश्वकर्मा। 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग प्रथम स्थान – कु. मुस्कान ठाकुर, द्वितीय स्थान – कु. शिवी तेकाम, तृतीय स्थान – फातिमा बी।

प्रतियोगिता के उपरांत विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर एक विशाल साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसे जिला प्रशासन के सहयोग से उत्सव के रूप में मनाया गया। रैली में लगभग 200 खिलाड़ियों एवं साइक्लिंग प्रेमियों ने सहभागिता कर स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं फिटनेस का संदेश दिया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मंडला साइकिल क्लब, डेली डॉट तथा क्रीड़ा भारती का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मंडला साइकिल क्लब के सदस्यों ने खेल पोशाक में सहभागिता कर कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। यह संपूर्ण आयोजन जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विकास खराडकर के मार्गदर्शन में तथा अस्मिता लीग प्रभारी डॉ. आकाश खत्री एवं ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के समस्त प्रशिक्षकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बढ़ती महंगाई और NEET पेपर लीक के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस नारायणगंज का उग्र प्रदर्शन, निकाली 'महंगाई की अर्थी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

देश में लगातार बढ़ती कमरतोड़ महंगाई, पेट्रोल-डीजल के आसमान छूते दामों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले NEET परीक्षा पेपर लीक मामले के विरोध में आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नारायणगंज के तत्वाधान में विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अनोखा आक्रोश जताते हुए 'महंगाई की अर्थी' निकाली और नगर में भ्रमण करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद ब्लॉक कांग्रेस द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से उपस्थित निवास विधानसभा के विधायक चैन सिंह वरकड़े ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज रसोई से लेकर ईंधन तक सब कुछ आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, NEET जैसी देश की प्रतिष्ठित परीक्षा का पेपर लीक होना यह साबित करता है कि सरकार युवाओं को रोजगार देने और निष्पक्ष परीक्षा कराने में पूरी तरह फेल हो चुकी है।

विधानसभा प्रभारी राजेश तिवारी एवं जगदीश सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता और युवाओं के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पूरी मजबूती से लड़ेगी।

वरिष्ठ नेताओं और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रही भारी मौजूदगी

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल ज्योतिषी, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रितेश सोनी और यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रियांश अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी और मंडलम अध्यक्षों सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता व पदाधिकारीः मानन लाल सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, गुलाब परस्ते, अशोक पटेल, नरेश सोनी, गुन्ना सिंगरोरे, प्यारी बाई, रीना परते, बलराम साहू, विपिन सोनी (आर), विपिन सोनी, संदीप सोनी, हिरदेश साहू, रुक्मणी कूड़ापे, बंटू सेन, आकाश सेन शामिल रहे।

मंडलम अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी गुलाब, पुन्ना लाल, मुकेश सोनी, सुबोध सोनी, अंतराम, संजय साहू, संजय भवेदी, अनिल यादव शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में युवा कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि यदि सरकार ने जल्द ही महंगाई पर लगाम नहीं लगाई और पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की, तो आगे इससे भी उग्र आंदोलन किया जाएगा।

खबर संक्षेप

बियर की बाटल सिर में मारकर चोट पहुंचाई

चीचली। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के वार्ड क्रमांक 9 मस्जिद मोहल्ला निवासी प्रिंस पिता दिनेश सोनी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब मैं बीते हुये दिवस शनि मन्दिर जा रहा था तभी पीछे से दो बाईको पर सबार होकर पार्थ ताम्रकार, सचिन ताम्रकार, शिवम ताम्रकार और अंकित कहार आये और पुराने विवाद को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये अचानक मारपीट करने लगे तब मैं उनसे बचते हुये ग्राऊण्ड तरफ भागा तो ग्राऊण्ड के पास बनी पानी की टंकी के पास मुझ फिर से पकड़ लिये और बेल्ट से मारपीट की गई। इस दौरान पार्थ ताम्रकार ने अपने साथ रखी हुई बियर की सीसी से सिर में मारते हुये चोट पहुंचाते हुये सभी ने जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

प्रेमिका के भाई ने मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम चांदनखेडा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैने लगभग तीन माह पहले ग्राम खमरिया निवासी एक लड़की से प्रेम विवाह किया है। विवाह के बाद हम पति पत्नि दोनो ग्राम चांदनखेड़ा में अच्छे से रह रहे है। बीते हुये दिनों प्रार्थी की प्रेमिका यानि की पत्नी का भाई शेखर चौधरी और उसका दोस्त विजय चौधरी निवासी माल्हनवाड़ा मिल और प्रेम विवाह करने की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये बेल्ट से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पत्नी के मायके जाने पर गुस्साये पति ने कर दी पिटाई

सांईखेड़ा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम तूमड़ा निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस मै पति से पूछकर ही मायके उदयपुरा गई थी। इसके बाद जब शाम अपने मायके से तूमडा वापस आयी तो घर मे बदला हुआ ताला लगा हुआ था। जिसकी चाबी मेरे पास नही थी तब मै अपने गांव के बाजार वाले घर मे गई जहां पर दुकान है वहां पर प्रार्थिया का पति और ससुर मोहन पटेल बैठे थें। तो प्रार्थिया ने अपने पति हेमराज से कहा कि घर की चाबी दे दो तो तो कहने लगे कि तुम मुझसे पूछकर नही गयी थी मै चाबी नही दूंगा और घर में नही घुसने दूगा। तब प्रार्थिया ने अपने पति से कहा कि मै तो आपसे पूछकर गई थी। इसी बात को लेकर पति द्वारा अपनी पत्नी को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अनेक गांवों में गरीबी के हकदारों को नहीं मिले नीले राशन कार्ड

सांईखेड़ा। म. प्र. सरकार ने गरीबो के हित में अनेक योजनाएँ संचालित की हैं किन्तु विडम्बना की बात है इन योजनाओं का लाभ या तों अशिक्षित होने से गरीब नही उठा पाते या शासकीय कर्मचारियों की लापरवाही के चलते गरीबों को प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से वंचित कर दिया जाता है? इस बात की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में दिखाई पड़ रही है? बताया जाता है कि गांवों के सही मायने में गरीबों, शासन से मिलने वाली सुविधाओं के हकदारो ने काफी समय पूर्व गरीबी रेखा सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन दिए थे, मगर आश्चर्य की बात है कि अभी तक प्रशासन की प्रक्रिया के तहत गरीबो के नाम बी.पी.एल.सूची में दर्ज नहीं किए गए है? जिसके कारण प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप वास्ताविक गरीब सस्ते राशन, कैरोसिन से वंचित है और नीला, पीला राशन कार्ड उनके पास न होने से प्रदेश सरकार की गरीब हितैषी योजनाओं का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है।

जंगल क्षेत्र के अनेक गांवों के निवासी कच्ची सड़क पर चलने के लिये हो रहे मजबूर

सात छः साल पहले लाखों की राशि से बनी हुई सड़क सहित पुल नदी में बह जाने के बाद सुधारने के लिये आज तक नहीं किये गये कोई ठोस प्रयास

भ्रष्टाचार की सच्चाई उजागर होने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल...?

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा। क्षेत्र के जंगल पट्टी गोटीटोरियाँ के आसपास निवास करने वाले लोग किसी तरह अपनी जिन्दगी व्यतीत करते हुये देखे जा रहे है यह सच्चाई शायद ही क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों से छिपी हो? क्योंकि जहां क्षेत्र के अनेक गांवों के लोगों को आज भी आने जाने के लिये सड़को का आभाव देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर यदि शासन द्वारा विकास के नाम पर प्रदान की जाने वाली राशि की सच्चाई इस तरह बंदर बांट होते हुये देखी जाती है कि वह विकास कार्य चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को उपजार करने से नही चूकते है..?

इस तरह सही मायने में देखा जावे तो जंगल क्षेत्र में शासन द्वारा विकास के नाम पर राशि तो खर्च की जा रही है। मगर वहां पर होने वाले विकास कार्य जिस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ते हुये देखे जाते है उसके चलते आज भी यहां पर रहने वाले लोग आज से 50 वर्ष पहले जैसी स्थिति में अपनी जिन्दगी काटने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह सरकार द्वारा अंतिम छोर पर बैठे हुये लोगों के विकास नाम पर लाखों रूपया की राशि खर्च किये जाने के बाद भी उनके दिन बदलते हुये दिखाई नही पड़ रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गोटीटोरिया क्षेत्र के कुछ गांवों में देखने मिल रही है? कहने के लिये तो सरकार द्वारा यहां पर लगभग 13 वर्ष पहले ऊपर नदी में पुल सहित सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये यहां के लोगों को पक्के मार्ग की सुविधा प्रदान करने के साथ शासन द्वारा लाखों रूपया खर्च किये गये थें। मगर वह मार्ग किस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ गया है उसके चलते आज भी यहां के लोग कच्चे मार्ग पर पैदल चलते हुये देखे जा रहे है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में शासन द्वारा राज्य एवं केन्द्रीय योजनाओं का अभिषरण के तहत 12 फरवरी 2011 को 2.1 किलो मीटर का पक्का मार्ग स्वीकृत किया गया था जिसकी लागत 41.21 लाख रूपया से करने की योजना थी। वही इस मार्ग व पड़ने वाले ऊपर नदी पर रिपटा नुमा पुल बनाने की जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी संभाग नरसिंहपुर पर थी। इस कंपनी द्वारा स्वीकृति के उपरांत लगभग 7 वर्ष के बाद किसी भी तरह से ग्राम मानेगांव व कुकलोर के निवासियों के लिये मार्ग का निर्माण तो पूरा कर दिया गया था। मगर इस मार्ग के निर्माण के दौरान ही उसकी गुणवत्ता पर सबाल उठाना शुरू हो गये थें। मगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिला था कि वर्ष 2018 में जब यह मार्ग व ऊमर नदी पर रिपटानुमा पुल बनकर तैयार होते होते वर्ष 2019 आ गया था। इस तरह लगभग छः साल पहले यानि की 8 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में हुई जरा सी बारिश ने इस सड़क व पुल के निर्माण की सच्चाई को इस तरह से उजागर किया गया था कि एक ही बाढ़ के दौरान पुल सहित जहां अनेक जगहो से सड़क बहते हुये बारिश के पानी में बहने से नही चूक पाई थी। जिसकी सच्चाई को क्षेत्र की मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था कि ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाया गया मार्ग किस तरह मात्र एक वर्ष की अवधि के दौरान बारिश में बह गया है? मगर इसके बाद भी प्रशासन से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदारों की चुप्पी का आलम इस तरह से देखने मिला है कि शायद गफलबाजी के भेंट चढ़ी हुई लाखों की राशि से बनाई गई इस सड़क की जांच करना तक उचित नही समझा गया होगा? इस तरह लगभग पांच-छः साल पहले नदी के पानी में बही हुई 2.1 किलो मीटर की सड़क व रिपटा नुमा पुल को लेकर आज तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी भी तरह से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि जहां टूटी हुई सड़क आज भी मौके पर मौजूद रहते हुये अपनी गफलत बाजी की सच्चाई को बता रही है और बीते हुये लगभग छः साल से इस क्षेत्र के अनेक गांवों के निवासी कच्चे मार्ग पर चलने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह बड़ी मुश्किलों के बीच कई वर्षो के बाद यहां के निवासियों को प्राप्त हुई पक्की सड़क की सौगात ग्रामीणों के उपयोग में एक वर्ष भी नही आने के बाद नदी के पानी में बह जाने से लोग आज भी कच्चें मार्ग यानि की जुगाडनुमा व्यवस्था के भरोसे पर निकलते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब बारिश का मौसम शुरू होते ही नदी में पानी का स्तर बढ़ जाता है तो यहां पर निवास करने वाले लोगों का शहरों से संपर्क टूट जाने के कारण वह चार माह तक अपने गांवों में कैद रहने के लिये मजबूर हो जाते है? इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाते है तो निश्चित तौर से उसका भगवान ही मालिक होने से नही चूकते है और इसकी सच्चाई आने वाले महिनों में बारिश का दौर शुरू होते ही दिखाई देने लगेगा? इस तरह कहने के लिये तो सरकार द्वारा हर वर्ष ग्रामीणों की सुविधाओं को लेकर करोड़ो की राशि खर्च करते हुये विकास कार्य किये जा रहे है। मगर उन विकास कार्यो के नाम पर सरकारी धन की किस तरह होली खेली जा रही है इससे बड़ा उदाहरण शायद ही अन्य कही देखने मिल पायेगा..? इस प्रकार से बीते हुये सितम्बर माह 2019 यानि की लगभग छः साल पहले जरासी बारिश के पानी में इस मार्ग के बह जाने के बाद आज तक न किसी अधिकारी ने इस ओर ध्यान देने की जरूरत महसूस की गई और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि यहां पर निवास करने वाले लोग आज भी पहले की तरह कच्चे मार्गो से आना जाना करते हुये देखे जा रहे है।

महंगाई के साथ बीमारियां बिगाड रही लोगों के घरों का बजट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पिछले कुछ वर्षो से लगातार बढ़ रही महँगाई के साथ साथ कोरोना वायरस के बाद मानों अन्य प्रकार की नई बीमारियों ने पूर्णरूप से विकराल रूप धारण कर शहर के गरीबो, मध्यमवर्गीय लोगों का तो जीना मुश्किल ही कर दिया है। मौसम के मिजाज साथ ही चहुँओर व्याप्त गंदगी, खान पान की चीजें बाजार में शुद्ध न मिलने से कई तरह की बीमारियॉ भी लोगो पर हमला करने लगी है।

शहर के जागरूक नागरिको का कहना है कि प्रायः हर साल नगर के वाशिन्दो को उम्मीद रहती है कि सरकारो की मेहरबानी से बाजार की महँगाई पर लगाम लगेगी पर दुर्भाग्य उनकी आशा पूरी नही हो रही है और महँगाई की आग में झुलसते हुए उन्हे बच्चो को पढ़ानें, घरो में शादियॉ करने, मेहमानो की आव भगत करने, त्यौहार मनाने और किसी तरह अपनी पोजीशन सुरक्षित रखने मजबूर होना पड़ रहा है। किंतु शहर के अधिकतर घर ऐसे है, जिनमें पिछले दरबाजों से बीमारियॉ प्रवेश करती रहती है। इन बीमारियों में से कुछ ऐसी है जिनके नाम पहले कभी नही सुने गए थें और इनके फैलने की स्थिति में डाक्टर तो मजे मे है। मगर इन बीमारियो का इलाज महँगा होने से लोग हलाकान हो रहे है। गौरतलब है कि लोगों को उम्मीद थी कि शायद जिस प्रकार से बीते हुये वर्षो में जिस तरह नई अनेक प्रकार की बीमारियों का प्रकोप देखा जा रहा था। वही चल रहे गर्मी सीजन के बीच नई नई अन्य मौसमी बीमारियॉ बढ़नें से इन दिनों शहरवासी चिंतित होते चले जा रहे है और सड़कों पर दमकते चेहरे कम ही नजर आ रहे है। शहर के अधिकतर निवासियों का कहना है कि वर्तमान में यह अजीब दौर चल रहा है। जिसमें न भाग्य साथ दे रहा है और न ही मौसम, हालात अनुकूल रह गए है और जिंदगियॉ समस्याओं की जकड़ में है और गरीब तो गृहस्थी की गाड़ी आगे खींचने में असमर्थ होते जा रहे है। जिसको लेकर शहरवासियो का कहना है कि गर्मी का मौसम के बाद अब बारिश का सीजन अपने आने की आहट देते हुये दिखाई देने लगा है। मगर इस समय मौसम बीमारियों को इजाफा करने से नही चूक रहा है। अब महँगाई, बीमारियों ने गठ बंधन कर घरो का बजट बिगाड़नें की स्थिति पर शायद अंकुश लग पायेगा। क्योंकि बीते हुये कुछ साल पहले जब कोरोना महामारी की दस्तक के बाद लॉक डाउन के चलते दुकाने से लेकर परिवहन बंद होने की स्थिति में मंहगाई में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी गई थी। क्योंकि जहां जरूरी सामग्री का निर्माण करने वाले फैक्ट्रियाँ बंद हो गई थी और माल का परिवहन नही हो रहा था उस दौरान महंगाई में इजाफा होना लोगों द्वारा स्वीकार कर लिया गया था। मगर हैरत करने बाली बात तो यह है कि जब सब कुछ सामान्य स्थिति में पहुंच गया वही दूसरी ओर किसानों चना, मूंग सहित अन्य सामग्री कम दामों पर विक्रय हो रही थी उसके आमों में आज भी किसी तरह की विशेष बढ़ोत्तरी दिखाई नही दे रही है। मगर उसी सामग्री को यदि दुकानों से खरीदा जाता है कि उसके दाम सातवे आसमान पर दिखाई देने से नही बच पा रहे है।

खंडहर में तब्दील हो रहा कभी गुलजार रहने वाला जनपद भवन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में कुछ शासकीय इमारते ऐसी है जिनकी प्रशासन द्वारा उपेक्षा और उनके रख रखाब करने की अनदेखी की बजह से वे बदहाल होती चली जा रही है। इन जर्जन इमारतों का बारिश में ढहने का खतरा रहने के बाबजूद प्रशासन हरकत में नही आता जिसके कारण आंधियों, बारिश झेलने के बाद ये कीमती इमारते या तो खुद टूटने लगती है या फिर उनकी निर्माण सामग्री चोरी होने का सिलशिला शुरू हो जाता है जिसकी सच्चाई नगर में जहां तहां बनी हुई शासकीय इमारतों के बदहाल होने की स्थिति में दिखाई पड़ रही है? जानकारी के अनुसार पुलिस लाईन में बने पुलिस कर्मियों के क्वार्टर, थाने के सामने बना तहसीलदार का बंगला, पुलिस की पुरानी चौकी परिसर मं बने आरक्षकों के आवास, आवकारी विभाग का भवन तथा शासकीय अस्पताल के पास स्थित टी वी वार्ड सहित अन्य कुछ शासकीय कार्यालयों में अंग्रेजो के जमाने में निर्मित भवनों की हालत शोचनीय होती चली जा रही है। गौरतलब है कि नगर के पलोटन गंज इलाके में बने हुए कृषि विभाग और पुराने जनपद भवन को समय की मार पहले जर्जर कर दिया था, जिसके चलते वह खंडहर हो चुका है, ज्ञात हो कि इसमें कृषि विभाग के भवन का पुनःनिर्माण का काम फिलहाल चल रहा है किन्तु कभी गुलजार रहने वाला जनपद भवन तो पूर्ण रूप से खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। बताया जाता है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के स्वामित्व में आने वाले उक्त बेश कीमती भवन के खपरे, सागौन की लकड़ियां सहित अन्य

सामग्री गायब हो चुकी है तथा शेष रही भी लगातार गायब होती चली जा रही है तथा उसके भीतरी भाग में भीषण गंदगी व्याप्त होने के कारण जहरीली कीड़े जन्म ले रही है, इस हालत में पड़े हुए शासकीय भवनों को लेकर लोगों का कहना है कि पलोटन गंज का जनपद भवन कब ढहने की कगार पर आ जाए इसकी कल्पना नही की जा सकती है..? वही लोगों कहना है कि यदि प्रशासन अपनी इस बेशकीमती संपत्ति को लेकर अच्छी सोच बनाये तो निश्चित ही यहां पर काम्पलेक्स सहित अन्य चीजों का निर्माण हो सकता है जिससे शासन को आये होने के साथ बेरोजागरो के लिए आय का साधन साबित हो सकता है? मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते सह सब हो पाना मुश्किल ही जान पड़ रहा है।

भतीजे ने चाचा को लाठी मारकर चोट पहुंचाई

सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम निवावर निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस जब मै अपने घर पर लड़का कौशल से कर्जा चुकाने की बात चल रही थी तभी मेरी पत्नि सनिया बाई बीच मे बोलने लगी तो मै अपनी पत्नि को डांटने लगा। इसी दौरान भतीजा बड्डू उर्फ जालम पिता छोटे आ गया और कहने लगा तू गाली क्यों बक रहा है। तो प्रार्थी ने उससे कहा कि मै अपने घर वालो से बात कर रहा हूँ। इस दौरान बड्डू उर्फ जालम सिंह द्वारा प्रार्थी यानि की अपने चाचा को गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी चाचा की शिकायत पर आरोपी भतीजे के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

नगर में शराब दुकानों के नाम से पहचाने जा रहे प्रतिष्ठ स्थान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शांति प्रिय माने जाने वाले इस नगर को जहां पहले लोग मंदिरों व अन्य प्रसिद्व जगहों के नाम से जानते थें, मगर समय जिस प्रकार से बदल रहा है और युवाओं के जरूरी माने जाने वाले दृव्य पदार्थो की सबसे ज्यादा उपयोगता होने के चलते लोग पुराने उन स्थानों को भूलने लगे है? क्योंकि इस आधुनिक दौर में शहर के युवा आकर्षक वेश भूसा, अफसर भ्रष्टाचार करने की कला में पहचाने जा रहे है तो वही दूसरी ओर नेता आश्वसन देने में माहिर होने तथा दुकाने, निजी शालाएं चमदमक से पहचानी जा रही है पर दुर्भाग्य से अब लोगों के घर कम्पूटर सेन्टर, अच्छे व्यापारिक प्रतिष्ठान अब शराब दुकानों के नाम से अपनी अपनी पहचान बनाने लगे है। जानकारी के अनुसार आपाधापी के दौर में आमजन सहज में लोगों के घरों व दुकानों के स्थानों की पहचान झूलते हुए अपने शुभ चिंतकों से जरूरत पड़ने उनका पता पूछते घुमते है? किन्तु जब उन्हें बताया जाता है कि उनकी चाहत वाला ठिकाना फलां शराब दुकान के करीब है तो वह निश्चित होकर कहने लगता है कि अब वे अपने चाहे गये ठिकाने को आसानी से खोज सकता हूं? उक्त सच्चाई की मिसाल हाल में देखने मिली जब शहर के एक व्यक्ति को जब किसी काम से एक अखबार के कार्यालय में पहुंचे तो उन्हें अपनी फोटो तैयार कराने के लिए नगर के सबसे पुराने आचार्य मंदिर के सामने स्थिति एक कम्पूटर सेन्टर पर फोटो बनबाने को कहा गया तो उनका उत्तर था कि इस मंदिर को नही जानते है जिसके कारण वह उस कम्पूटर सेन्टर पर नही पहुंच सकते, मगर जब उन्हें उसी कम्पूटर दुकान पर पहुंचने के लिए वहां की शराब दुकान के पास का पता बताया तो वह तुरंत उस कम्पूटर सेन्टर को पहचान गये। इस बात से यह सच्चाई स्पष्ट होते हुए देखी जा रही है कि लोग आज मंदिरों को भूलकर शराब दुकानों से ज्यादा तालुक रख रहे है जिसके चलते मंदिर के पता पर लोग पहुंचने में परेशान हो रहे है मगर शराब दुकान के पाते के आधार पर इस प्रकार के प्रतिष्ठत जगहों को आसानी से पहचान पा रहे है। देखा जा रहा है कि लोग अब शहर में शराब दुकानों के पास जो प्रतिष्ठान, घर है उनको पहचाने में लोगों को कठिनाई नही हो रहे है और शासकीय चिकित्सालय, थाने छोड शहर की मुख्य जगहों की लोकेशन लोगों के जेहन से गोल होती जा रही है।

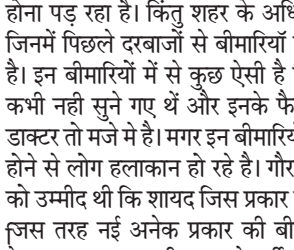

बिजली बिलों की आनलाईन भुगतान व्यवस्था से परेशान हो रहे उपभोक्ता

बिल जमा होने के बाद भी जुड़कर आने वाले बिलों में नहीं होता है कोई सुधार

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। देश के प्रधानमंत्री द्वारा देश को डिजीटल बनाने के सपने को साकार करने तथा शासकीय कार्यो को कागज मुक्त बनाने के चलते अधिकतर कार्य आन लाईन प्रणाली के माध्यम से किये जा रहे है। कुछ इसी प्रकार से बिजली विभाग द्वारा भी अब बिजली बिलों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिये कागजों की जगह उनके मोबाईल फोनों पर सूचना दी जा रही है तो दूसरी ओर बिजली विभाग द्वारा निर्धारित किये गये एप के माध्यम से बिजली बिलों के भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं को प्रेरित किया जा रहा है। मगर बिजली विभाग द्वारा यह सुविधा आम उपभोक्तओं के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जब कोई उपभोक्ता अपनी परेशानी लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों के समक्ष पहुंचता है तो उसकी समस्या का निराकरण करने की जगह अधिकारियों द्वारा उसको चक्कर लगाने के लिये मजबूर करने से नही चूक रहे है..? बताया जाता है कि विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा बिजली विभाग द्वारा निर्धारित किये गये एप पर बिजली बिल का जब भुगतान किया जाता है तो उसके मोबाईल एप के माध्यम से सूचना मिलती है कि उसका बिजली बिल भुगतान सफल हो चुका तथा उपभोक्ता

के खाते से भी बिल की निर्धारित राशि कट जाती है। मगर जब अगले माह देखा जाता है कि उपभोक्ता के बिजली बिल में पूर्व माह के राशि जुटकर पहुंच जाती है। इतना ही नही जिस उपभोक्ता का बिजली बिल तुरंत के माह व पूर्व के माह का कम होता है वह जुडकर आता है तो वह उस बिल को आसानी से नही समझ पाता है। क्योंकि उपभोक्ताओं को कागजों पर बिली मिलना बंद हो चुके है और मोबाईल फोन पर बिल संबंधी सूचना में सिर्फ यही उल्लेख होता है कि इस माह आपकी बिजली इतने यूनिट जली है और उसका बिल इतना है। जबकि पूर्व में जब उपभोक्ताओं को घर घर कागजों पर बिल मिलते थ तो उसमें तुरंत माह का बिल सांहत पूर्व के बिलों का विवरण भी देखने मिल जाता था मगर वर्तमान समय में वह व्यवस्था बन होने के चलते बिजली विभाग द्वारा पूर्व के माह का बिजली बिल जमा ोने के बाद भी जोड़कर भेजे जाते है जिसके चलते वह तुरंत का बिल समझकर जमा कर देता है। इस तरह बिजली विभाग द्वारा एप के माध्यम से बिजली बिलों का भुगतान व्यवस्था में बिजली बिलों के जमा होने के बाद सफल भुगतान की सूचना के बाद भी पूर्व के बिल जुडकर आने के चलते उपभोक्ता परेशान होते हुये देखे जा रहे है। इस समस्या को लेकर जब उपभोक्ता बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचते है तो अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करने के जगह कल आना या फिर कम्प्यूटर आपरेटर नही है अभी की बात कहते हुये अनेको को चक्कर लगाने के लिये मजबूर करना आम बात बन चुकी है? इस तरह उपभोक्ताओं को अनेक चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का निराकरण नही होने की स्थिति में बिजली बिलों के भुगतान करने की निर्धारित अवधि गुजर जाने के कारण उन पर देरी शुल्क लगाते हुये बिजली काटने से भी बिजली विभाग नही चूकता है? इस तरह बिजली विभाग की आन लाईन बिल भुगतान व्यवस्था के चलते उपभोक्ताओं को परेशान होने के साथ साथ आर्थिक क्षति का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

नर्मदाजी के निर्मल नीर में मिल रहा गंदी नाली का पानी, लोगों की भावना को पहुंच रही ठेस

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र की जीवनरेखा माँ नर्मदाजी की शुद्व करने के लिये आये दिन मुहिम तो चलाई जाती है, मगर वह मात्र चंद दिनों तक अखबारों की सुर्खिया बनने के बाद सच्चाई को जिस प्रकार से भुला दिया जाता है उसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ झिकोली घाट में देखने मिल रही है जहां पर माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर में गंदी नाली का पानी मिलते हुये देखे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस

पहुंचने से नही चूक पा रही है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत झिकोली की अनदेखी के चलते ग्राम की नालियों से निकलने वाली संपूर्ण गंदा पानी सीधे माँ नर्मदाजी में पहुंच रहा है, जिससे नर्मदाजी के घाट पर गंदगी फैल रही है, वही दूसरी ओर चल रहे धार्मिक मास के चलते प्रतिदिन नर्मदा तट पर भक्तों की भीड़ उमड़ने के दौरान इस प्रकार से नालियों का गंदा पानी नर्मदाजी के निर्मल नीर में मिलते हुये देख लोगों में आक्रोश पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है। इस बात को लेकर माँ नर्मदा भक्तों द्वारा ग्राम पंचायत झिकोली सहित क्षेत्र के अधिकारियों से गुहार लगाते हुये मांग की गई है कि ग्राम झिकोली से निकलने वाले इस गंदे पानी को माँ नर्मदाजी में जाने से तुरंत रोक लगाई जावे।

खबर संक्षेप

अनूपपुर की बेटी आंचल पुरी ने रचा इतिहास

अनूपपुर। जिले की प्रतिभाशाली छात्रा कुमारी आंचल पुरी ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में शानदार सफलता प्राप्त करते एसटी पीडब्लूडी श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर अनूपपुर सहित पूरे मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। आंचल पुरी, ग्राम एवं पोस्ट पयारी नंबर-1, जिला अनूपपुर निवासी हैं। उनके पिता रविशंकर पुरी शिक्षक हैं। आंचल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय माध्यमिक विद्यालय पयारी नंबर-1 से प्राप्त की। इसके बाद कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक से पूरी की। जेईई एडवांस की तैयारी के लिए उन्होंने एक वर्ष तक वाराणसी में विशेष अध्ययन किया। कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा माता-पिता के निरंतर सहयोग के बल पर उन्होंने यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। आंचल की इस सफलता से जिले में खुशी का माहौल है। शिक्षा जगत, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आंचल पुरी की यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के दम पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

अनूपपुर। किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है। बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। इस संबंध में कृषि विभाग ने बताया कि सभी किसान बैंकों के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम, पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है। किसान क्रेडिट कार्ड पाँच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद इसकी कार्यशील पूंजी का नवीनीकरण वार्षिक आधार पर किया जाता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण राशि की अधिकतम सीमा फसल के अनुसार निर्धारित रहती है। बैंक द्वारा तीन लाख रुपए तक के केसीसी में कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाता है। किसान जितनी राशि का उपयोग करता है उस पर ही ब्याज देय होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ब्याज की दर सात प्रतिशत निर्धारित है। लेकिन किसान समय पर ऋण राशि अदा कर देता है तो उसे तीन प्रतिशत ब्याज में छूट मिलती है। किसान को केवल चार प्रतिशत ब्याज ही देना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसान अपनी खेती को आधुनिक बना रहे हैं।

मेला.प्रदर्शनी निरीक्षण में मिली गंभीर लापरवाही मेले के झूलों पर लगी रोक

खुले तार फायर सेफ्टी व्यवस्था का अभाव और आपातकालीन निकास मार्गों में मिली कमियां

डिंडौरी। नगर मुख्यालय में संचालित मेला एवं प्रदर्शनी के निरीक्षण में सुरक्षा व्यवस्थाओं की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। खुले विद्युत तारए फायर सेफ्टी व्यवस्था का अभावए अपर्याप्त शौचालय और आपातकालीन निकास मार्गों की कमी पाए जाने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मेला परिसर में संचालित सभी झूलों को आगामी आदेश तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं।कलेक्टर अंजू पवन भादौरिया के निर्देश पर किए गए निरीक्षण में पाया गया कि प्रदर्शनी स्थल पर कई स्थानों पर विद्युत तार खुले पड़े हैंए जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। वहीं

आगंतुकों की सुविधा के अनुरूप शौचालय व्यवस्था नहीं मिली। निरीक्षण दल को फायर सेफ्टी उपकरणों और अग्निशमन व्यवस्था में भी कमी दिखाई दी।

सुरक्षा मानकों का पालन नहींए तत्काल सुधार के निर्देश

अधिकारियों ने यह भी पाया कि किसी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए आवश्यक एग्जिट प्वाइंट और दिशा.सूचक संकेतक पर्याप्त रूप से स्थापित नहीं किए गए हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए आयोजकों को सभी कमियां तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।नगर निकाय ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। सभी सुरक्षा मानकों और आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरा करने के बाद ही मेले का संचालन पूर्ण रूप से किया जाएगा।निरीक्षण के दौरान प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष कोरीए सुरेंद्र बिहारी शुक्लाए अनिकेत वैश्यए यशवंत मसरामए तपस्या दुबे सहित नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

उर्वरक विक्रय व्यवस्था की निगरानी के लिए दो अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित

डिंडौरी ।

जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू बनाए रखने के लिए कृषि विभाग ने विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। उप संचालक कृषि द्वारा जारी आदेश के अनुसार ई.विकास पोर्टल की नियमित समीक्षा एवं उर्वरक विक्रय से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए दो अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश शासन किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के निर्देशों के तहत जिले में उर्वरक वितरण एवं विक्रय व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। इसके अंतर्गत उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा ई.पॉस मशीन एवं पोर्टल संचालन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेशानुसार कृषि विकास अधिकारी रविन्द्र कुमार गुप्ता एवं कृषि विस्तार अधिकारी आकांक्षा सिंह उइके प्रतिदिन ई.विकास पोर्टल की समीक्षा कर वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराएंगे। साथ ही वे उर्वरक विक्रय केंद्रों की निगरानीए किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने का कार्य करेंगे। उप संचालक कृषि ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल विभागीय अधिकारियों को उपलब्ध कराएंए जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कृषि विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से जिले में उर्वरक वितरण प्रणाली और अधिक प्रभावी होगी तथा किसानों को आवश्यक कृषि आदान समय पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा आपदा प्रबंधन को लेकर प्रशासन सतर्क

डिंडौरी। आगामी मानसून एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। आयोजित बैठक में बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों की स्थितिए राहत एवं बचाव कार्यों की कार्ययोजना तथा विभिन्न विभागों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में जिले के प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमताए वर्तमान जलस्तर और गेट खोले जाने की स्थिति में संभावित प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों को संभावित बाढ़ के कारणों का आकलन कर समय रहते आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला प्रशासन ने आमजन तक समय पर सूचना पहुंचाने के लिए चेतावनी तंत्र को मजबूत बनानेए पूर्व सूचना एवं प्रचार.प्रसार व्यवस्था को प्रभावी रखने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही राहत सामग्रीए चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा सेवाएंए पेयजलए स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई।बैठक में अस्थायी राहत शिविरों की स्थापनाए नोडल अधिकारियों की नियुक्तिए आपदा नियंत्रण कक्ष की सक्रियता तथा जर्जर भवनों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बचाव एवं राहत कार्यों में उपयोग होने वाले उपकरणों की उपलब्धता तथा जनप्रतिनिधियों एवं बचाव दलों के प्रशिक्षण पर भी विशेष बल दिया गया।प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को मानसून पूर्व आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय.सीमा में पूर्ण करने तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सतर्क एवं तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरीए डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिकए संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावीए तहसीलदार एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित रहे।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

डिंडौरी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ;एनएचएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर चल रहे इस आंदोलन के कारण जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।कर्मचारियों ने हड़ताल से पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ;सीएमएचओद्ध एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया था। अपेक्षित समाधान नहीं मिलने पर कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी।हड़ताल के दौरान कर्मचारियों ने शासन की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और विभिन्न नारे लगाए। उनका कहना है कि वे वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ के रूप में कार्य कर रहे हैंए बावजूद इसके उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं और सेवा सुरक्षा नहीं मिल रही है।

नियमितीकरण सहित विभिन्न मांगें प्रमुख

संविदा कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरणए वेतन विसंगति का निराकरणए राष्ट्रीय पेंशन योजना ;एनपीएसद्ध का लाभए महंगाई भत्ता ;डीएद्धए समान कार्य के लिए समान वेतनए नौकरी की सुरक्षा एवं अन्य सेवा सुविधाएं शामिल हैं।कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस एवं लिखित निर्णय नहीं लिया जाताए तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कई बार ज्ञापन एवं वार्ता के माध्यम से समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गयाए लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका है।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया शुरू 30 जून तक आवेदन

डिंडौरी। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के पुत्र.पुत्रियों के लिए भोपाल स्थित श्रमोदय आदर्श आईटीआई में वर्ष 2026 के प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। संस्थान में विभिन्न एनसीवीटी मान्यता प्राप्त ट्रेडों में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 26 मई से 30 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं। 8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी संस्थान में संचालित विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। चयन निर्धारित सीटों के अनुसार मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

संस्थान में इलेक्ट्रीशियनए टेक्नीशियन मेकाट्रोनिक्सए एडवांस सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियनए सिविल इंजीनियर असिस्टेंटए वेल्डरए आईओटी ;स्मार्ट सिटीद्धए फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी तथा इंटीरियर डिजाइन एंड डेकोरेशन सहित आठ ट्रेड संचालित किए जा रहे हैं।अभ्यर्थी अपने नजदीकी कियोस्क सेंटर के माध्यम से पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी डीएसडीएमपीएमॉवएइन वेबसाइट पर उपलब्ध है संस्थान प्रबंधन ने पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित समय.सीमा में आवेदन करने की अपील की है। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए 9424454453 एवं 9826947798 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण और मानसून तैयारियों को लेकर नगर परिषद सक्रिय अधिकारियों को दिए निर्देश

डिण्डौरी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025.26 में बेहतर प्रदर्शन के लक्ष्य के साथ नगर परिषद ने स्वच्छताए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर अभियान तेज कर दिया है। प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष कोरी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए।नगर की स्वच्छता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए स्वच्छता प्रभारी एवं संबंधित कर्मचारियों को नियमित निगरानी और शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया गया।

मानसून को देखते हुए जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान कर नालियों की सफाईए जल निकासी व्यवस्था में सुधार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। जर्जर एवं कच्चे मकानों का सर्वे कर उनकी स्थिति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा गया है।नगर के जिन क्षेत्रों में सीवर लाइनए पाइप लाइन अथवा अन्य निर्माण कार्यों के कारण सड़कें प्रभावित हुई हैंए वहां गुणवत्ता के साथ मरम्मत एवं पुनर्स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। नगर परिषद ने मानसून शुरू होने से पहले सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चलेगा विशेष अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत कचरा पृथक्करणए प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहणए पुनर्चक्रणए पौधारोपण तथा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।प्रभारी सीएमओ आशीष कोरी ने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित नगर के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। नगर परिषद ने लोगों से घर.घर कचरा संग्रहण व्यवस्था का उपयोग करनेए गीले और सूखे कचरे को अलग रखने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है।नगर परिषद का कहना है कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और नागरिकों के सहयोग से डिण्डौरी को स्वच्छए सुंदर और पर्यावरण अनुकूल नगर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

होटलों और ढाबों में परोसी जा रही अवैध शराब

दोपहिया वाहन से ग्रामों तक पहुंचाई जा रही शराब की खेप

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों व होटलों पर धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों को मामले की जानकारी होने के बावजूद इस बारे मे कोई कार्यवाही नही किए जाने से नगर सहित कोयलांचल व ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोगों के हौसले बुलंद हो गए हैं। नगर के होटल ढाबों सहित आस-पास के ग्रामों तथा गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री को लेकर आबकारी विभाग के द्वारा कार्यवाही करने को तैयार नहीं है, जिसके कारण शराब ठेकेदार के हौसले बुलंद है। कोतमा क्षेत्र में गांव-गांव सहित कोतमा बस स्टैंड के आगे भट्टी टोला, दफाई टोला, विकास नगर, कॉलेज तिराहा के आगे पतेराटोला, गोविंदा कॉलोनी, हाईवे के किनारे, वार्ड क्रमांक 11, कदमटोला सहित ग्रामीण क्षेत्र के निगवानी, गढ़ी, लामाटोला, सेमरिया चौराहा सहित नगर के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 सडक़ के किनारे काफी संख्या में दुकानदार अवैध रूप से शराब बेचने में लगे हुए हैं, काफी समय से अवैध शराब बेचे जाने की प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद आज तक किसी भी दुकानदार के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई। इससे कस्बे में अवैध शराब बेचने का कारोबार फल फूल-रहा है। शाम होते ही अवैध शराब बेचने का धंधा सरेआम चलता है। नगर में शराब का ठेका होने के बावजूद शराब पीने के शौकीन लोगों को दुकानों से आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है।

मायके गई पत्नी से नाराज पति ने मासूम पुत्री की गला काटकर कर दी हत्या

दुसरे मामले मे प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह, पोखरी डैम में बोरी बांधकर फेंका गया युवक का शव

पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई हत्या की गुथ्थी, सभी आरोपी गिरफ्तार

जिले के थाना थाना राजेंद्रग्राम क्षेत्र के ग्राम बेंदी में बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पत्नी के मायके से वापस न लौटने से परेशान पति ने अपनी ही 4 वर्षीं पुत्री की गला काटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शव पंचनामा तैयार करने के साथ ही मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

हरिभूमि न्यूज़<अनूपपुर।

घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि ग्राम बेंदी निवासी अमरवती मरावी ने पुलिस को बताया कि उसका पति गोवर्धन सिंह मरावी अक्सर शराब के नशे में उससे झगड़ा और मारपीट करता था। इसी कारण वह आठ दिन पहले अपनी 4 वर्षीय बेटी प्रीति मरावी और 1 वर्षीय बेटे के साथ मायके ग्राम केशवानी अपने मायके चली गई थी। 30 मई को गोवर्धन सिंह मायके पहुंचा और पत्नी को वापस

ससुराल चलने के लिए कहा। पत्नी ने उसके शराब छोड़ने तक साथ न जाने की बात कही। इसके बाद गोवर्धन अपनी बेटी प्रीति को जबरन अपने साथ ग्राम बेंदी ले गया। महिला ने बताया कि मंगलवार की रात उसकी बहन के मोबाइल पर गोवर्धन का फोन आया। जिसने धमकी देते हुए कहा कि यदि वह घर नहीं आई तो उसकी बेटी प्रीति को मार देगा। इसके बाद महिला अपने माता-पिता के साथ तत्काल ससुराल पहुंची। घर पहुंचने पर गोवर्धन वहां नहीं मिला। परिजनों के द्वारा 4 वर्षीय पुत्री की तलाश करने पर घर के भीतर शव खून से लथपथ और गला कटा हुआ मिला। बच्ची की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने बताया कि आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। आरोपी शराबी था जो आए दिन शराब पीकर पत्नी से मारपीट करता था जिसके कारण उसकी पत्नी चली गई थी और इस पर दबाव बनाने के लिए आरोपी ने पहले फोन पर ऐसा करने की धमकी उसे दी और बाद में घटना को अंजाम दिया।भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में पोखरी डैम से युवक का शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों और उनके सहयोगियों ने युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। शव को ठिकाने लगाने के लिए कमर में रेत से भरी बोरी बांधकर पोखरी डैम में फेंक दिया गया था। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार 2 जून को पुलिस को सूचना मिली थी कि ओसीएम छोहरी स्थित पोखरी डैम में एक अज्ञात युवक का शव पानी में तैर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान ग्राम छोहरी निवासी 18 वर्षीय सनि उर्फ मोटू सहीस के रूप में की। शव की स्थिति संदिग्ध थी तथा कमर में रस्सी से रेत भरी बोरी बंधी हुई थी। मृतक के पिता रंजू सहीस की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह मरकाम तथा एसडीओपी आरती शाक्य के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि मृतक का उनकी सगी भांजी से पिछले तीन-चार वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कई बार समझाने के बावजूद युवक संबंध समाप्त करने को तैयार नहीं था। आरोपियों ने 29 मई की रात सनि सहीस को मोटरसाइकिल से ग्राम छोहरी की बड़ी पुलिया के पास बुलाया। वहां रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को मोटरसाइकिल में लादकर ओसीएम के पोखरी डैम में ले जाया गया और पहचान छिपाने के उद्देश्य से कमर में रेत भरी बोरी बांधकर पानी में फेंक दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, हत्या में इस्तेमाल रस्सी तथा मृतक का मोबाइल और दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले के खुलासे में थाना प्रभारी भालूमाड़ा निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में डीएस बागरी, चन्द्रहास बांधेकर, कमलेश शुक्ला, ईश्वर यादव, कृपाल सिंह, चक्रधर तिवारी, देवेन्द्र तिवारी, प्रदीप यादव, दिनेश किराडे, ज्योति मालवीय तथा साइबर सेल के राजेन्द्र अहिरवार और पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

12

जबलपुर, गुरुवार 4 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

नेपाल में डॉ. सहर्ष एवं श्रीमती तिवारी सम्मानित

नरसिंहपुर। काठमांडू में आयोजित त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नेपाल भारत साहित्य महोत्सव के अंतर्गत मुख्य अतिथि नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल , प्रमुख अतिथि विष्णु पंथी पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नेपाल, शैलेन्द्र मोहन झा अध्यक्ष नेपाल भारत मैत्री संघ नेपाल, पूनम पंडित अध्यक्ष क्रांतिधरा साहित्य अकादमी, डॉ विजय पंडित आयोजक एवं अध्यक्ष हिन्दी अकादमी नेपाल, विभिन्न देशों से पधारे साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमी सुधी श्रोताओं से भरे पशुपतिनाथ सभागार काठमांडू नेपाल में साहित्य महोत्सव के अंतर्गत अंतिम दिवस हास्य कवि डॉ. शंकर सहर्ष एवं साहित्यकार श्रीमती ज्योति तिवारी को अंतरराष्ट्रीय नेपाल भारत साहित्य शिरोमणि सम्मान 2026, अंतरराष्ट्रीय नेपाल भारत मैत्री अवार्ड 2026 एवं अंतर्राष्ट्रीय नेपाल भारत चारु साहित्य सगरमाथा सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया।

गुड़ भट्टी में लगी आग

नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली के ग्राम रेवानगर में किसान की गुड़ भट्टी में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, खैरी निवासी किसान गुडन जाट की गुड़ भट्टी में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने गुड़ निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, गन्ना क्रेशर और अन्य उपकरणों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। बताया गया है कि दो गुड़ भट्टियों का सामान एक ही स्थान पर रखा हुआ था। इसी वजह से आग तेजी से फैली और नुकसान का दायरा बढ़ गया। आग की लपटों ने कुछ ही देर में बड़ी मात्रा में सामग्री को नुकसान पहुंचाया। किसान ने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई है। हालांकि, आग किन कारणों से लगी, इसका स्पष्ट पता जांच के बाद ही चल सकेगा। घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। आग पर काबू पाने के लिए किसान और ग्रामीणों ने पाइपलाइन के जरिए लगातार पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस हादसे में किसान को करीब 8 से 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल जारी

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। हड़ताल के चलते जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ना शुरू हो गया है। एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का कहना है कि जिले के 124 आयुष्मान आरोग्य केंद्र प्रभावित हुए हैं। संघ के अनुसार, हड़ताल के कारण प्रसव सेवाएं, टीकाकरण, टीबी जांच, गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की देखभाल, परिवार कल्याण कार्यक्रम और ओपीडी सेवाएं बाधित हो रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं पर सबसे अधिक असर देखा जा रहा है, क्योंकि अधिकांश केंद्र संविदा कर्मचारियों के भरोसे संचालित होते हैं। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और स्वास्थ्य बीमा की सुविधा, वार्षिक वेतनवृद्धि, सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल की जा रही है।

53 बीजों के नमूने किए एकत्रित

कृषि अधिकारियों ने दुकानों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

आगामी खरीफ मौसम 2026 को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को गुणवत्ता युक्त उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने और कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिले के विभिन्न कृषि आदान विक्रेता प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ के मार्गदर्शन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर एन.के. आरसे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गोटेगांव आर. एन. त्रिपाठी, उर्वरक निरीक्षक उर्वरक॰बीज॰विकासखंड चीचली सांईखेड़ा पी.एस. कौशल, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी चीचली के. पी. सिंह एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरसिंहपुर संतोष पटेल के द्वारा कृषि आदान विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध बीज के स्टॉक, बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर, कैश मेमो तथा लाइसेंस संबंधी अभिलेखों का परीक्षण किया गया।

बीजों की जांची जाएगी गुणवत्ता

निरीक्षण के दौरान कृषि आदानों की गुणवत्ता की जांच के लिए विकासखंड नरसिंहपुर से 12 नमूने मक्का, धान के 3 नमूने, उड़द के 3 नमूने व मूंग का एक नमूना इस तरह कुल 19 नमूने बीजों के लिए गए। विकासखंड गोटेगांव में मक्का के 5 नमूने, धान के 4 नमूने व सोयाबीन के दो नमूने सहित कुल 11 नमूने बीज के लिए गए। विकासखंड सांईखेड़ा में धान के 23 नमूने बीज के लिए गए। इस प्रकार कुल 53 बीजों के नमूने लेकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संग्रहित किए गए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। यह बीजों के नमूने नरसिंहपुर में पटेल एग्रो, मॉ रेवा एग्री विजनेंस, कुशवाहा बीज भंडार, श्री राम बीज भण्डार, समीक्षा कृषि सेवा केन्द्र, शर्मा एजेंसी प्रियंका कृषि केन्द्र, राज कृषि केन्द्र, जय बालाजी ट्रेडर्स, पटेल कृषि केन्द्र, रामा बीज भंडार, कृषि मित्र गोटेगांव तथा पटेल एजेंसी गाडरवारा, महावीर ट्रेडर्स गाडरवारा, पलोड ब्रदर्स, सब्जी बीज भंडार और श्री गीतागंजी सीड्स कंपनी गाडरवारा के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लिए गए। अधिकारियों ने विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित दरों पर कृषि आदानों का विक्रय करें तथा प्रत्येक विक्रय पर किसानों को अनिवार्य रूप से बिल उपलब्ध कराएं।

किसानों को पक्का बिल देने का निर्देश

विक्रेताओं को कृषि आदान नियंत्रण आदेश एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान किसानों के हितों को प्रभावित करने वाली किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने बताया कि किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। आगामी खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जिले में निरीक्षण कर नमूना संग्रहण की कार्यवाही जारी रहेगी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि वे लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही कृषि आदान क्रय करें। साथ ही खरीदी के समय पक्का बिल आवश्यक प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर निकटतम कृषि कार्यालय में सम्पर्क करें।

97151 खसरों की गिरदावरी कार्य पूर्ण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में गिरदावरी का कार्य तेजी के साथ राजस्व विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक 97151 खसरों का क्षेत्रफल 88614.607 हेक्टेयर पर गिरदावरी का कार्य पूर्ण हो चुका है। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा गिरदावरी कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों व तहसीलदारों को भी गिरदावरी कार्य की दैनिक रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व विभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक लगातार खेतों में पहुंचकर सर्वे का कार्य कर रहे हैं। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने बताया कि भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए जिले के किसानों का पंजीयन 15 जून 2026 तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्णय अनुसार उड़द विक्रय करने वाले किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल के मान से बोनस प्रदान किया जाएगा। जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के तहसीलवार कुल 47 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जिले के किसान एमपी किसान एप, एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, साइबर कैफे एवं स्वयं के मोबाइल के माध्यम से भी पंजीयन करा सकते हैं। जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित तिथि तक अपना पंजीयन जरूर कराएं।

क्रीड़ा विमर्श में खिलाड़ी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नियमित्ता, अनुशासन, प्रोत्साहन के मूलमंत्र पर संचालित एम.आई.एम.टी. कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं को क्रीड़ा विमर्श के अंतर्गत सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि इंजी. रुद्रेश तिवारी चेयरमैन एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग, एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज नरसिंहपुर एवं उपप्राचार्य डॉ. एस.एन. राव की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि इंजी. तिवारी ने खेल गतिविधियों को छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण साधन निरूपित किया तथा खेल प्रतिभा को निखारने का बेहतर माध्यम होता है। छात्र-छात्राओं को अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण, एकता, भाईचारा तथा जीवन में स्वस्थ रहने के लिए खेल आवश्यक है। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने स्वागत उद्बोधन देते हुए शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं से शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु विचार आमंत्रित किये गए जिसमें खुशी जाट, जिया जोशी, कुनाल किरार, एजाज खान एवं देव सोनी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती पूजन से किया गया। छात्रा आर्या सोनी द्वारा सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान खेल प्रतियोगिता सत्र 2025-26 के विश्वविद्यालय एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. पराग नेमा एवं आभार आराधना दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अनीता रघुवंशी, सुश्री विजेता सिधना, जी. डी. उमरे, महाविद्यालय क्रीड़ा अधिकारी द्वय करीम खान, आषिक अली सहित स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रहीं। कार्यक्रम के दौरान प्रशांत दीक्षित, एजाज खान, वैष्णवी कहार, पूजा पटैल, शिवानी कहार, कंचन ठाकुर, शिवलेश सोनी, देव सोनी, सूजल कहार, संदीप पटैल, जय चैधरी, अंकित साहू, अंकित कौरव, कुशल साहू, दुर्गेश जाटव, माधव जाटव, तुषार साउद, कु. मायामणि लोधी, कुनाल किरार, देव सोनी, मनोज कहार, रोहित मेहरा, साहिल लोधी, अर्जुन महोबिया, खुशी जाट, राधिका यादव, श्रेया चैधरी, अनुज बरमैया, जिया जोशी, सृष्टि लोधी को खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया।

शीलादेही में 108 दंपत्तियों ने सामूहिक रूप से सुनी श्री सत्यनारायण कथापुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा पर हुआ भव्य धार्मिक आयोजन

सिवनी के शीलादेही पूर्णिमा के पावन अवसर पर जिला सिवनी के शीलादेही स्थित श्री द्वारकाधीश राधाकृष्ण मंदिर परिसर में एक भव्य एवं ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर 108 सपत्नीक जोड़ों ने एक साथ बैठकर भगवान श्री सत्यनारायण की पावन कथा का श्रवण किया। कथा का वाचन विद्वान आचार्य सोहन शास्त्री द्वारा किया गया, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ अर्जित किया और भगवान की भक्ति में भाव-विभोर हो गए।कार्यक्रम का आयोजन अनंत श्री विभूषित पीठद्वयाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के संकल्प तथा पश्चिमाम्नाय द्वारकाशारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा स्थापित सहज संतोष आश्रम, शीलादेही के तत्वावधान में किया गया। आयोजन के दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला।गूंजा सामूहिक

गीता पाठधार्मिक अनुष्ठान के दौरान गीता परामक्ति मंडल के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया गया। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गीता के श्लोकों का सामूहिक उच्चारण पूरे परिसर को भक्तिमय बना गया। श्रद्धालुओं ने इसे आत्मिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का विशेष अवसर बताया।ब्रह्मचारी निर्विकल स्वरूप जी ने बताया पुरुषोत्तम मास का महत्वकार्यक्रम में परम पूज्य ब्रह्मचारी श्री निर्विकल स्वरूप जी महाराज के मंगलमय आशीर्वचन भी प्राप्त हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में पुरुषोत्तम मास की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि यह मास भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर माना जाता है।

एसडीएम कार्यालय बना इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्जिंग पॉइंट सरकारी बिजली के निजी उपयोग पर उठे सवाल

गोटेगांव।

नगर में शासकीय कार्यालयों में सरकारी बिजली के निजी उपयोग का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार गोटेगांव एसडीएम कार्यालय परिसर में कुछ कर्मचारी अपनी निजी इलेक्ट्रिक स्कूटी एवं अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों को कार्यालय की विद्युत व्यवस्था से चार्ज करते देखे गए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में आम जनता को कई बार मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर सरकारी संसाधनों का निजी कार्यों के लिए उपयोग किया जा रहा है। नागरिकों ने इसे सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग का मामला बताते हुए संबंधित अधिकारियों से जांच की मांग की है।लोगों का कहना है कि यदि सरकारी संसाधनों का निजी उपयोग किया जा रहा है, तो इसकी स्पष्ट नीति और जवाबदेही तय होना आवश्यक है। मामले को लेकर नगर में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

उड़द पर 600 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस

तेंदूखेड़ा। किसानों के लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 जून 2026 तक किया जा सकेगा।उन्होंने बताया कि शासन के निर्णय अनुसार उड़द विक्रय करने वाले किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल के मान से बोनस प्रदान किया जाएगा। जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के तहसीलवार कुल 47 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि बी-पैक्स तेंदूखेड़ा बी-पैक्स बिल्थारी बी-पैक्स ढिलवार बी-पैक्स रम्पुरा बी-पैक्स मुगखिड़ा बी-पैक्स केरपानी बी-पैक्स सुआतला बी-पैक्स बिल्हरा बी-पैक्स डोभी बी-पैक्स बिलगुंवा में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। किसान एमपी किसान एप एमपी ऑनलाइन कॉमन सर्विस सेन्टर लोक सेवा केन्द्र, साइबर कैफे एवं स्वयं के मोबाइल के माध्यम से भी पंजीयन करा सकते हैं।

सड़क निर्माण में बाधा चार लोगों पर मामला दर्ज

तेंदूखेड़ा। जिस सड़क नाली निर्माण को लेकर लोग परेशान देखे जाते हैं। वर्षों प्रतिक्षा करनी पड़ती है कि कब पक्की सड़क नालि निर्माण हो जाये।लेकिन एक मामला ऐसा भी सामने देखने को मिला है कि गांव में हो रही सीमेंट सड़क निर्माण में कुछ लोग बाधक बनें हुए हैं।मामला चांवरपाठा विकास खंड की ग्राम पंचायत सर्रा बंधी का है। यहां पर ग्राम पंचायत के द्वारा लगभग दस लाख रुपए की राशि से 200 मीटर सीमेंट सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन इस निर्माण कार्य में कुछ लोग बाधक बनें हुए हैं। यहां पर महिला सरपंच है और मजदूरों के माध्यम से निर्माण कार्य चल ही रहा था कि अचानक इस बनते हुए सड़क मार्ग से पहले मोटरसाइकिल फिर टेक्ट्रर निकाल दिया।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत करकबेल, बोहानी, चीचली, बरमान में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424